



बहुआयामी गरीबी सूचकांक: नीतिआयोग

प्रलिस के लयि:

नीतिआयोग, बहुआयामी गरीबी, राष्ट्रीय परिवार सवास्थय सर्वेक्षण (NFHS), सतत् विकास लक्ष्य, पोषण अभयान, एनीमया मुक्त भारत ।

मेन्स के लयि:

बहुआयामी गरीबी सूचकांक: नीतिआयोग, सतत् विकास लक्ष्यों को प्रापुत करने में बहुआयामी गरीबी उन्मूलन का महत्त्व ।

[स्रोत: द हट्टि](#)

चर्चा में क्यों?

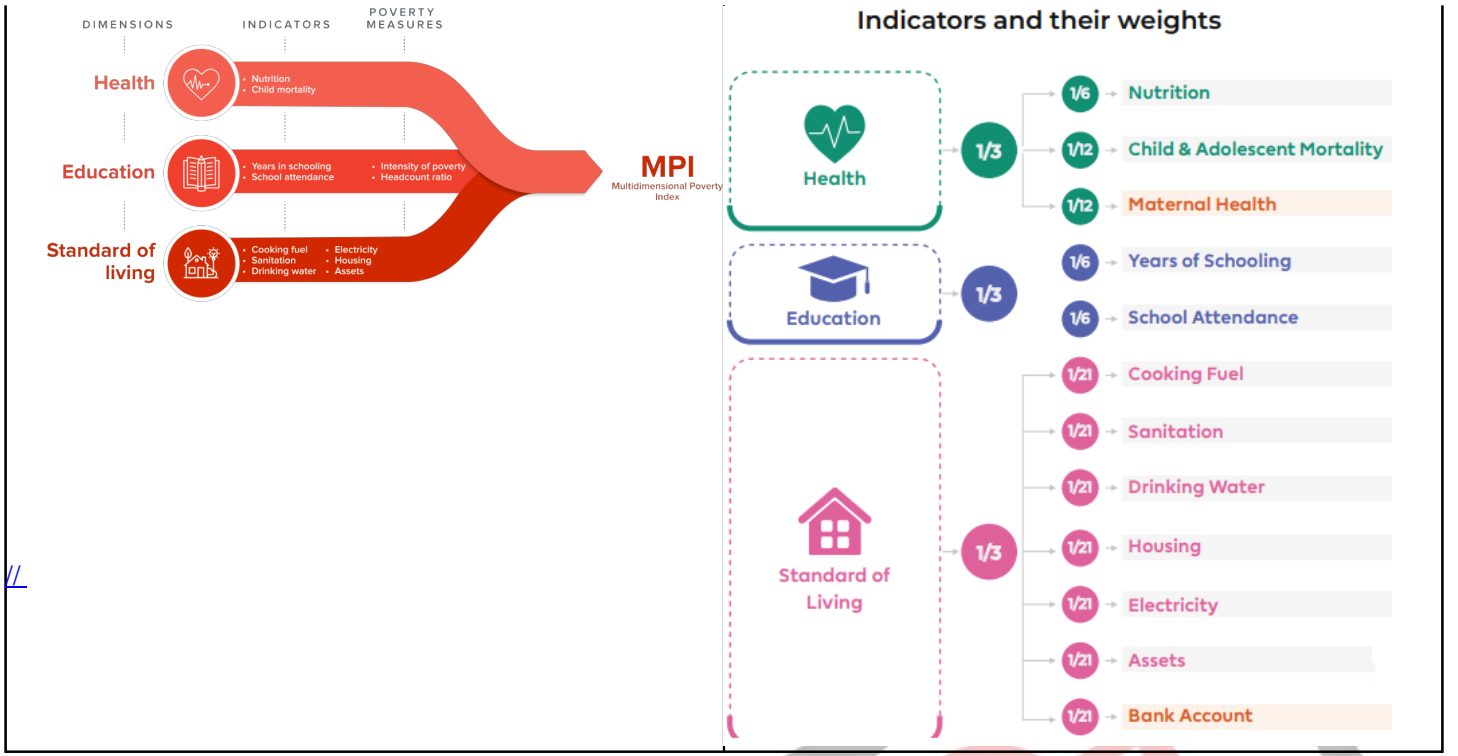
हाल ही में नीतिआयोग ने 'वर्ष 2005-06 से भारत में बहुआयामी गरीबी' शीर्षक से एक चर्चा पत्र जारी कया है, जसमें कहा गया है कपछिले नौ वर्षों में 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से उबर गए हैं ।

- चर्चा पत्र में दीर्घकालिक गरीबी प्रवृत्तियों को समझने के लयि वर्ष 2005-06, 2015-16 और 2019-21 में आयोजित [राष्ट्रीय परिवार सवास्थय सर्वेक्षण \(National Family Health Surveys- NFHS\)](#) के डेटा का प्रयोग कया गया है ।

राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक क्या है?

- राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सवास्थय, शकषा और जीवन स्तर के तीन समान रूप से भारत आयामों में एक साथ अभाव का आकलन करती है जो [12 सतत् विकास लक्ष्य-संरखति संकेतकों](#) द्वारा दर्शाए जाते हैं ।
- इनमें पोषण, बाल और कशोर मृत्यु दर, मातृ सवास्थय, स्कूली शकषा के वर्ष, स्कूल में उपस्थति, भोजन पकाने का ईधन, स्वच्छता, पेयजल, ऊर्जा, आवास, संपत्ति तथा बैंक खाते शामिल हैं ।
- MPI की वैश्विक कार्यप्रणाली मज़बूत [अलकाईर और फोस्टर \(Alkire and Foster- AF\)](#) पद्धति पर आधारति है जो वकित गरीबी का आकलन करने के लयि डिज़ाइन कयि गए [सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत मैट्रिक्स](#) के आधार पर लोगों को गरीब के रूप में पहचान करती है, जो पारंपरिक मॉड्रक गरीबी उपायों के लयि एक पूरक परिरेक्ष्य प्रदान करती है ।
 - हालाँका, [राष्ट्रीय MPI में 12 संकेतक](#) शामिल हैं जबका [वैश्विक MPI में 10 संकेतक](#) शामिल हैं ।

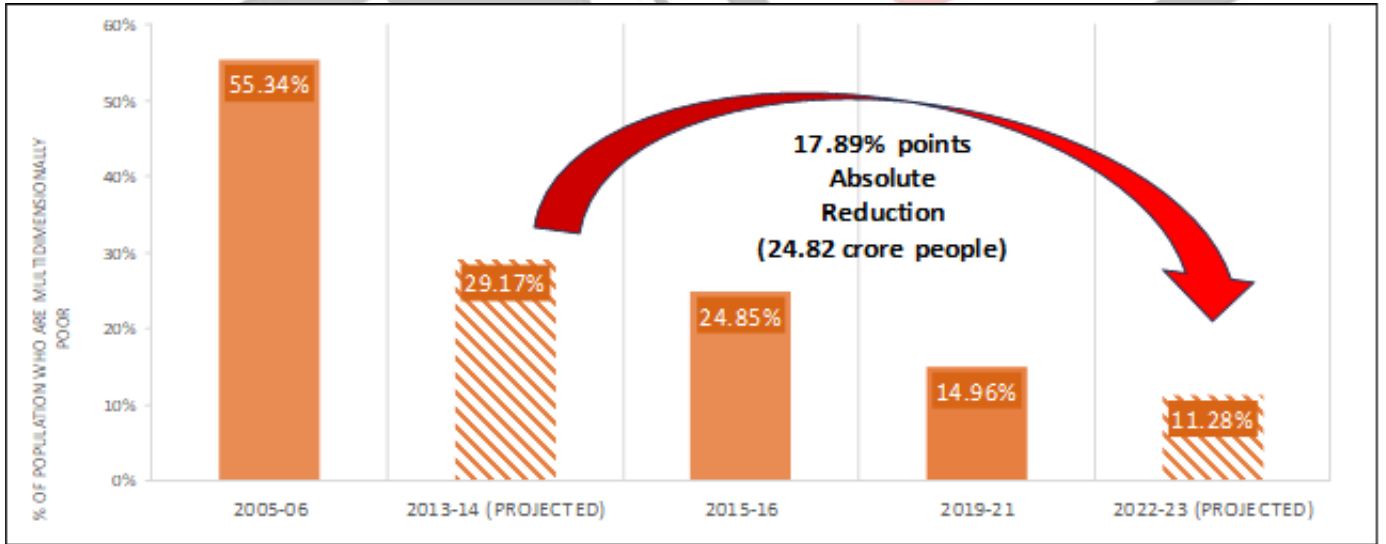
वैश्विक MPI संकेतक	राष्ट्रीय MPI संकेतक



वर्ष 2005-2006 के बाद से भारत में बहुआयामी नरिधनता सूचकांक की मुख्य वशिषताएँ क्या हैं?

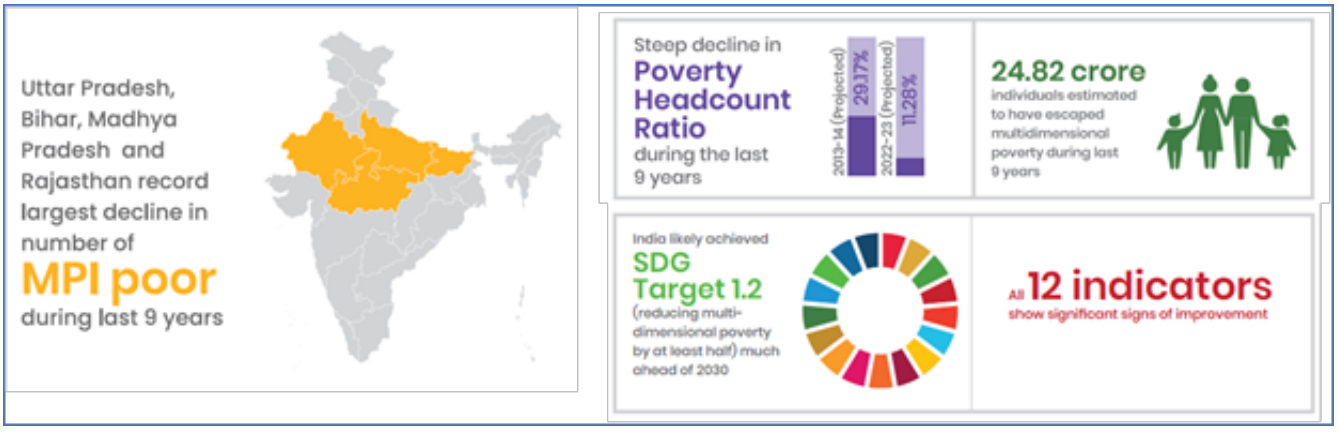
■ बहुआयामी नरिधनता में समग्र गरिबट:

- भारत में बहुआयामी नरिधनता में उल्लेखनीय कमी आई है जो वर्ष 2013-14 में 29.17% से घटकर वर्ष 2022-23 में 11.28% हो गई है जो **17.89% अंक** की कमी दर्शाता है।
- वगित नौ वर्षों (वर्ष 2013-14 से वर्ष 2022-23) में लगभग **24.82 करोड़ लोग बहुआयामी नरिधनता की स्थिति से बाहर** आए हैं। इस सकारात्मक बदलाव का श्रेय **सरकार की वभिन्न पहलों** को दिया जाता है।



■ राज्यवार गरिबट:

- उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश तथा राजस्थान में MPI के आधार पर नरिधन के रूप में वर्गीकृत लोगों की संख्या **सबसे अधिक गरिबट** दर्ज की गई है।
- उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक गरिबट देखी गई, जहाँ **5.94 करोड़ लोग बहुआयामी नरिधनता से बाहर** आए, इसके बाद बिहार में 3.77 करोड़, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में लोग उक्त नरिधनता पर काबू कर पाए।



■ सभी संकेतकों में सुधार:

- MPI के सभी 12 संकेतकों ने महत्त्वपूर्ण सुधार देखा गया जो **स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जीवन स्तर के आयामों** में प्रगति को दर्शाता है।

■ अभाव की गंभीरता:

- वर्ष 2005-06 तथा वर्ष 2013-14 की तुलना में वर्ष 2015-16 एवं वर्ष 2019-21 के बीच **अभाव की गंभीरता (Severity of Deprivation- SoD)** में थोड़ी कम दर से गिरावट आई है।
 - SoD उन अभावों को मापता है जिनसे औसत बहुआयामी नरिधन व्यक्ति पीड़ित होता है।
- इसके अतिरिक्त **अल्प वर्षों की अवधि** के कारण वगित दशक की तुलना में कुल जनसंख्या में MPI नरिधन व्यक्तियों की हसिसेदारी में कमी के मामले में **वर्ष 2015-16 के बाद अभाव में कमी तेज़ी से हुई**।
 - वर्ष 2005-06 में भारत की कुल जनसंख्या में MPI नरिधन व्यक्तियों की हसिसेदारी 55.34% थी।

■ SDG लक्ष्य उपलब्धि:

- भारत द्वारा **सतत विकास लक्ष्य (Sustainable Development Goals- SDG)** लक्ष्य 1.2 प्राप्त करने की संभावना है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 से पहले "राष्ट्रीय परिभाषाओं के अनुसार सभी आयामों में नरिधनता में जीवन-यापन करने वाले सभी आयु के पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों के **अनुपात को उनकी कुल संख्या से कम-से-कम से आधा**" कम करना है।
- **जीवन स्तर** के आयाम से संबंधित संकेतकों में **महत्त्वपूर्ण सुधार** सामने आए, जैसे कि भोजन पकाने हेतु ईंधन, स्वच्छता सुविधाओं एवं बैंक खातों तक पहुँच में सुविधा वसितारति हुई।

■ MPI में गिरावट में संचालकों की मदद:

- **पोषण अभियान और एनीमिया मुक्त भारत** जैसी पहलों ने स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँच में काफी वृद्धि की है, जिससे अभाव में काफी कमी आई है।
- विश्व के सबसे बड़े **खाद्य सुरक्षा** कार्यक्रमों में से एक का संचालन करते हुए, **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम** के तहत **लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली** 81.35 करोड़ लाभार्थियों को कवर करती है, जो ग्रामीण और शहरी आबादी को खाद्यान्न प्रदान करती है।
- हाल के फैसले जैसे कि **प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना** के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण को अगले पाँच वर्षों के लिये बढ़ाना, सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण है।
- मातृ स्वास्थ्य का समाधान करने वाले विभिन्न कार्यक्रम, **उज्ज्वला योजना** के माध्यम से स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन वितरण, सौभाग्य के माध्यम से बजिली कवरेज में सुधार, **स्वच्छ भारत मिशन** और **जल जीवन मिशन** जैसे परिवर्तनकारी अभियानों ने सामूहिक रूप से लोगों की रहने की स्थिति तथा समग्र कल्याण की स्थिति में सुधार किया है।
- इसके अतिरिक्त **प्रधानमंत्री जन धन योजना** और **PM आवास योजना** जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने वित्तीय समावेशन तथा वंचितों के लिये सुरक्षित आवास प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नीति आयोग क्या है?

■ परिचय:

- **योजना आयोग** को **1 जनवरी, 2015** को एक नए संस्थान नीति आयोग द्वारा **प्रतिस्थापित** किया गया था, जिसमें '**सहकारी संघवाद**' की भावना को प्रतिध्वनित करते हुए अधिकतम शासन, न्यूनतम सरकार की परिकल्पना की परिकल्पना के लिये 'बॉटम-अप' दृष्टिकोण पर जोर दिया गया था।
- इसके दो हब हैं:
 - **टीम इंडिया हब**- राज्यों और केंद्र के बीच इंटरफेस का काम करता है।
 - **ज्ञान और नवोन्मेष हब**- नीति आयोग के थकि-टैंक की भाँति कार्य करता है।

■ पहलें:

- **SDG इंडिया इंडेक्स**
- **समग्र जल परबंधन सूचकांक**
- **अटल इनोवेशन मिशन**
- **साथ परियोजना**
- **आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम**
- **सकूल शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक**
- **ज़िला अस्पताल सूचकांक**

- [स्वास्थ्य सूचकांक](#)
- [कृषि विपणन और किसान हितैषी सुधार सूचकांक](#)
- [भारत नवाचार सूचकांक](#)
- [बुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया अवार्ड्स](#)
- [सुशासन सूचकांक](#)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. अटल नवप्रवर्तन (इनोवेशन) मशिन कसिके अधीन स्थापति कयिा गया है? (2019)

- वजिज्ञान और प्रौद्योगिकी वभिाग
- श्रम और रोजगार मंत्रालय
- नीति आयोग
- कौशल विकास एवं उद्यमता मंत्रालय

उत्तर: (c)

प्रश्न. भारत सरकार ने नीति (NITI) आयोग की स्थापना नमिनलखिति में से कसिका स्थान लेने के लयि की है? (2015)

- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग
- वित्त आयोग
- वधि आयोग
- योजना आयोग

उत्तर: (d)

??????:

प्रश्न. भारत के नीति आयोग द्वारा अनुसरण कयि जा रहे सदिधांत इससे पूरव के योजना आयोग द्वारा अनुसरति सदिधांतों से कसि प्रकार भनिन है? (2018)